ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Govenment of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680
रेलवे – 55222, 55862
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103
फैक्स : 020–26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.indianrailways.gov.in

वर्ष – 20 | अंक – 77 | जनवरी – मार्च 2016

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. ईपीसी ठेके से संबंधित सेमिनार
2. रेलवे कन्वेन्शन कमिटी का संस्थान दौरा
3. ग्रीन हाऊस गैस (लेखा एवं प्रबंधन) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
4. गणतंत्र दिवस का आयोजन
5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 129 वीं एवं 130 वीं संयुक्त बैठक
6. आईपीडब्युई (आई) तकनीकी सेमिनार
7. सरस्वती पूजा का आयोजन
8. रक्तदान शिविर का आयोजन
9. इरिसेन छात्रावास
10. अचीवर सीरीज
11. डॉ. संजय निबांलकर द्वारा हाई स्पीड पर व्याख्यान
12. श्रीमती एवं श्री बारलो द्वारा ध्यान पर व्याख्यान
13. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
14. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
15. पाठक मंच की बैठक

1. ईपीसी ठेके से संबंधित सेमिनार



संस्थान में दिनांक 28 एवं 29 जनवरी, 2016 को इस सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में 29 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में निम्नलिखित अतिथि व्याख्याताओं ने अपना व्याख्यान भी दिया। अप्रुवल प्रोसेस, रोल ऑफ अथॉरिटी ऑफ इंजीनियर्स, क्यूएपी एवं उसका कार्यान्वयन द्वारा श्री अचल खरे, कार्यकारी निदेशक (इंफ्रास्ट्रचर), रेलवे बोर्ड, बेंगलुरू मेट्रो में EPC ठेकों का अनुभव पर श्री बी.एस. सुधीर चन्द्रा, सेवा निवृत्त, सदस्य कार्मिक, रेलवे बोर्ड एवं वर्तमान में निदेशक, बंगलुरू मेट्रो, DFCCIL में EPC ठेकों का अनुभव द्वारा श्री अजय कुमार, कार्यकारी निदेशक / डीएफसी, DMRC में EPC ठेकों का अनुभव द्वारा श्री जितेंन्द्र त्यागी, निदेशक डीएमआरसी।

2. रेलवे कन्वेन्शन कमिटी का संस्थान दौरा

संस्थान में दिनांक 10 फरवरी, 2016 को रेलवे कन्वेन्शन कमिटी ने दौरा किया। समिति के अध्यक्ष, माननीय सदस्य लोकसभा श्री भरत्रुहारी मेहताब, माननीय सदस्य श्री नाना भाऊ पाटोले, माननीय सदस्य श्री जनक राम एवं माननीय सदस्य राज्य सभा श्रीमती विजय लक्ष्मी साधो का स्वागत निदेशक महोदय द्वारा किया गया। रेलवे कन्वेन्शन कमिटी द्वारा संस्थान का विस्तृत रूप से निरीक्षण किया गया। निदेशक महोदय द्वारा ग्रीन बिल्डिंग के संबंध में समिति को





विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। समिति ने संस्थान के ग्रीन बिल्डिंग के निर्माण में आनेवाले खर्च एवं इसके रखरखाव में आनेवाले व्यय के बारे में जानकारी ली एवं भारतीय रेल में ग्रीन बिल्डिंग के और कार्यों की जानकारी ली। समिति के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों ने भी संस्थान के प्रत्येक अनुभाग की विस्तृत जानकारी ली। संस्थान के





संकाय सदस्यों ने संग्रहालय एवं प्रयोगशाला में रखे गए उपकरणों के संबंध में जानकारी समिति के सदस्यों को दी।

संरक्षक
विश्वेश चौबे
निदेशक
भा. रे. सि. इं. सं. पुणे

मुख्य संपादक
अनिल कुमार पटेल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ – 1

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक

3. ग्रीन हाऊस गैस (लेखा एवं प्रबंधन) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन



संस्थान में दिनांक 21 एवं 22 मार्च, 2016 को ग्रीन हाऊस गैस, लेखा एवं प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन संबोधन श्री विश्वेश चौबे, निदेशक / इरिसेन ने किया। आपने ग्लोबल वार्मिंग एवं पर्यावरण संरक्षण की समझ बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के दुसरे दिन के सत्र की अध्यक्षता श्री के. स्वामिनाथन, सलाहकार, (ईएनएचएम) रेलवे बोर्ड ने की। आपने विभिन्न रेलवे से आए अधिकारियों से उनके रेलवे में पर्यावरण सुधार संबंधित कार्यों की जानकारी ली एवं अपने सुझाव दिए। कार्यशाला में श्री देश रतन गुप्ता, कार्यकारी निदेशक,ईएनएचएम (सि.इंजी.) रेलवे बोर्ड, श्री अभय बकरे, कार्यकारी निदेशक, ईएनएचएम(विद्.इंजी.), रेलवे बोर्ड तथा श्री अभिषेक कौशिक, श्री सरबजीत पाल, कु.स्वाती अग्रवाल, (सभी अतिथि व्याख्याता/ टेरी) विषय विशेषज्ञों ने व्याख्याान दिए। कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों पर विशेषज्ञों ने व्यांख्यान दिए :-

1. ग्रीन हाऊस गैस प्रबंधन की रेलवे में उपयोगिता
2. ग्रीन हाऊस गैस के रोकथाम में भारतीय रेल की भूमिका एवं योजना
3. भारतीय ग्रीन गैस कार्यक्रम का परिचय
4. ग्रीन हाऊस गैस : व्याख्या, आंकड़ें संकलन एवं मापन
5. ग्रीन हाऊस गैस के मुख्य उत्सर्ग स्रोतों की संगणन की विधि
6. जलवायु वित्त पोषण की समीक्षा
7. ग्रीन हाऊस गैस प्रबंधन के मामला अध्ययन
8. इरिसेन ग्रीन बिल्डिंग

4. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन

संस्थान में दिनांक 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री विश्वेश चौबे, निदेशक / इरिसेन ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और सीनियर सुपरवाइजर ट्रेनिंग विंग में नवीनतम विकास की जानकारी दी। तदुंपरात खेल प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम रखा गया था। खेलकूद के इस कार्यक्रम में रस्साकसी, लेमन स्पून, बच्चों के लिए मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रशिक्षु अधिकारी के दो बैच को आपस में उसके पश्चात विजयी टीम के साथ संकाय सदस्यों, समेकित पाठ्यक्रम के अधिकारी गण एवं कर्मचारी गण इत्यादि टीमों को रस्साकसी में अपनी शक्ति को परखने का अवसर मिला। इसके पश्चात महिलाओं के लिए भी रस्साकसी के खेल का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए भी गुब्बारों को अपने पार्टनर के साथ खेलने का अवसर दिया गया। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन हुआ। इन सभी कार्यक्रमों में निदेशक महोदय, संकाय सदस्यगण, प्रशिक्षु अधिकारीगण, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।







सीनियर सुपरवाइजर ट्रेनिंग विंग में गणतंत्र दिवस का आयोजन

इरिसेन सीनियर सुपरवाइजर ट्रेनिंग विंग में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री सुरेश पाखरे, प्राध्यापक / रेलपथ -2 ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत प्राध्यापक / रेलपथ -2 ने उपस्थित सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।



5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 129 वीं एवं 130 वीं संयुक्त बैठक



दिनांक 15 जनवरी, 2016 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 129वीं एवं 130वीं संयुक्त बैठक आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राजभाषा की प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। श्री अनिल कुमार पटेल, प्राध्यापक - रेलपथ -1 एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में बैठक की उपाध्यक्षता की। बैठक में सभी सदस्यों का आपने स्वागत किया और बताया कि दिनांक 14 से 18 सितंबर 2015 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सहयोग रहा।

राजभाषा समिति के पदासीन अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान में हिंदी का कार्य सुचारु रुप से चल रहा है। समय समय पर संस्थान में कार्यक्रमों के आयोजन में राजभाषा की प्रमुख भूमिका होती है। आपने श्री एन.आर.काले, सहा. प्राध्यापक-कार्य द्वारा मशीनों द्वारा ट्रैक नवीकरण में गुणवत्ता नियंत्रण यह मूल रूप से हिंदी में लिखी पुस्तक का विमोचन स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया था। इसके लिए उन्हें बधाई एवं उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी।

6. आईपीडब्युई (आई) तकनीकी सेमिनार



प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 04 एवं 05 फरवरी, 2016 को नई दिल्ली में डिजाइन, कन्सट्रक्शन एंड मेन्टेनेन्सस ऑफ स्टेशन यार्ड एवं एक्सलरेटेड कन्सट्रक्शन ऑफ न्यू लाइन्स/ डबलिंग प्रोजेक्टस तथा फास्ट ट्रैक कन्सट्रक्शन ऑफ आरओबी/आरयूबी पर आयोजित आईपीडब्यु ई (आई) सेमिनार में इरिसेन ने सक्रियता से हिस्सा लिया। तकनीकी प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न तकनीकी पुस्तकें, फिल्में एवं ई-लर्निंग सीडी को दिखाने के लिए इरिसेन का स्टॉल लगाया गया था। सेमिनार में इरिसेन के सहा. प्राध्यापक – ट्रैक श्री आर.पी. सिंह द्वारा कन्सट्रक्शन ऑफ आप्टीमल रेलवे फार्मेशन एंड फाऊंडेशन – ए सिविल इंजीनियर अप्रोच पर पेपर भी प्रस्तुत किया गया।



7. सरस्वती पूजा का आयोजन



वसंत पंचमी के अवसर पर दिनांक 12 फरवरी, 2016 को संस्थान के ग्रंथालय में सरस्वती पूजा का आयोजन बड़ी श्रद्धा के साथ किया गया। ग्रंथालय में श्री शैलेन्द्र प्रकाश ने पूजा का आयोजन किया। वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोजक्ट ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन करते हुए विद्या की देवी की आराधना की। विद्या के इस मंदिर में मां सरस्वती की पूजा अर्चना के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

8. इरिसेन छात्रावास में रक्तादान शिविर का आयोजन



इरिसेन छात्रावास में दिनांक 23 जनवरी, 2016 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर 35 इरिसेन के संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का आयोजन के. ई. एम. अस्पताल, पुणे के तत्वाधान में किया गया था। रक्तदान का उद्देश्य लोगों में सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करना होता है।

9. इरिसेन छात्रावास में बागवानी



इरिसेन छात्रावास में हरे-भरे, रंग बिरंगे पौधे लगाए गए हैं जिसे देखते ही मन प्रसन्नचित्त हो जाता है। इरिसेन छात्रावास में प्रशिक्षण हेतु आने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों की पढाई के लिए वातावरण को अनुकूल बनाने की दृष्टि से उठाए गए इस कदम को प्रशिक्षु अधिकरियों द्वारा सराहा



गया है। संस्थान एवं छात्रावास को प्रदूषणयुक्त वातावरण से दूर एवं प्रकृति के करीब लाने के लिए इरिसेन के द्वारा की गई प्रशंसनीय पहल है।

प्रशिक्षण के लिए आनेवाले प्रशिक्षुओं को पढ़ाई में सहायता करने हेतु पूरक वातावरण उपलब्ध कराने तथा प्रशिक्षुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परिसर को बहुत ही हरा-भरा बनाया गया है जहां प्रशिक्षु सुबह की सैर एवं खुली व्यायामशाला का लाभ उठा रहे हैं ।



10. अचीवर सीरीज



दिनांक 07 जनवरी, 2016 को श्री एम.आर. माधव, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, आईआईटी कानपुर एवं प्राध्यापक ऐमरिटस्, जे.एन.टी.यू. हैदराबाद ने संस्थान के ऑडिटोरियम में रिइनफोर्सड अर्थ एंड रिटेनिंग स्ट्रक्चर, जिओ टेक्सटाईल फॉर रेलवे एपलिकेशन, जिओ टेक्सटाईल फॉर हाई स्पीड रेलवे पर अपना व्याख्यान दिया। व्याख्यान के दौरान संकाय सदस्य, परिवीक्षार्थीगण, समेकित पाठ्यक्रम के अधिकारी एवं मध्य रेल के डिजाइन सेक्शन के सभी अधिकारी गण उपस्थित थे ।श्री माधव ने एम.टेक (रेल टेक्नॉलॉजी) के परिवीक्षार्थियों को भी मार्गदर्शन किया तथा संकाय सदस्यों के साथ रेलवे फॉर्मेशन के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

11. डॉ. संजय निबांलकर द्वारा हाई स्पीड पर व्याख्यान



दिनांक 18 जनवरी, 2016 को डॉ. संजय निबांलकर,फेकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग, वोलोगांग विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने संस्थान के ऑडिटोरियम में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि हाई स्पीड के लिए रेलवे फार्मेशन, गिट्टी के क्षय की गति को कम करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। रेलवे फार्मेशन के निर्माण में ब्लेंकेट की परत की मोटाई को किस प्रकार से कम करें अंडर स्लीपर पैड तथा शाक मैट का उपयोग करके बालास्ट परत की मोटाई कम करने के प्रयोगों के अनुभव को प्रतिभागियों के साथ साझा किया ।

12. श्रीमती एवं श्री बारलो द्वारा ध्यान पर व्याख्यान

संस्थान में दिनांक 19 जनवरी, 2016 को श्री रामचंद्र मिशन, हार्ट फुलनेस इंस्टीट्यूट के श्री जॉन बारलो एवं श्रीमती बेटसी बारलो को आमंत्रित किया गया था। श्री जॉन बारलो ने यू.एस.ए. के मेसाचुसेट्स



एवं रोड़े द्वीप में हेल्थकेयर प्रशासन में 25 वर्षों तक कार्य किया है। बोस्टवन मेडिकल सेंटर से हाल ही में वे सीनियर डायरेक्टर ऑफ एम्ब्युलेट्री आपरेशन इन द डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसीन के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। वे पिछले 40 वर्षों से हार्ट फुलनेस इंस्टीट्यूट के लिए पढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। श्री एवं श्रीमती बारलो ने उत्तरी अमेरिका में रीजनल इन्चार्ज एवं रीजनल कोऑडिनेटर का कार्य भी किया है।



श्रीमती बेटसी बारलो ने वरमाउंट कॉलेज से हॉलिस्टीक स्टडीज में बी.ए. की डिग्री प्राप्त की है। आप जिन शिन जायुतसू एंड रिकनेक्टिव हिलिंग थेरेपी में प्रैक्टिस कर रही है और पिछले 40 वर्षों से हार्ट फुल नेस इंस्टीट्यूट के लिए पढ़ाने का कार्य कर रही हैं। श्री बारलो ने अपने व्याख्यान में बताया कि स्वयं विकास विज्ञान एवं कला है – स्वयं को विकसित करने के लिए अस्थिर मन के साथ सहयोग करने की आवश्यकता है और हम अपने दिमाग को किस प्रकार तैयार कर सकते हैं? उसका एक ही उत्तर है मेडिटेशन (ध्यान)।



विकास के क्षेत्र में अध्ययन करने से पता चला है कि मेडिटेशन से हमें असंख्य एवं उल्लेखनीय, लाभ, सुधारित मानसिक स्वास्थ्य सहित, बेहतर इम्यून सिस्टम, बढ़ी हुई मानसिक स्पष्टता एवं सीखने की क्षमता, दाएं एवं बाएं दिमाग का समन्वय, नीतिपरक निर्णय लेने की क्षमता में बढ़ोत्तरी किस प्रकार से होती है । अपनी जिम्मेदारियों को निभाने एवं मेडिटेशन द्वारा स्वयं का विकास किस प्रकार करना चाहिए इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को हार्ट फुल नेस मेडिटेशन का अनुभव कराने के लिए अभ्यास भी करवाया।

13. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी सत्र सं. 15104

प्रथम



ए के हरित
मंडल इंजी./आदरा/द.पूर्व रेल

द्वितीय



जितेन्द्र कुमार
का.इंजी./एनजेपी/पू.सी.रेल

द्वितीय



रामसेवक वर्मा
स.मं.इंजी./ निर्माण. उ.प. रेल

14. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम संख्या1	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	16004	भा.रे.इं.से. तैनाती परीक्षा	25.04.16	29.04.16
2	16005	भा.रे.इं.से.एम.टेक	13.06.16	24.06.16
3	16006	ओरिएन्टेशन	30.05.16	03.06.16
4	16102	समेकित	13.06.16	01.09.16
5	16202	वरि.व्याव.(पुल एवं सामान्य)	02.05.16	03.06.16
6	16302	मुख्य इंजीनियर ट्रैक मशीन का सेमिनार	21.04.16	22.04.16
7	16303	मुख्य ट्रैक इंजीनियर का सेमिनार	09.06.16	10.06.16
8	16409	प्वाइंट क्रॉसिंग एवं यार्ड	11.04.16	15.04.16
9	16410	पीएससी	02.05.16	10.05.16
10	16411	ट्रैक मशीन (टी–5)	02.05.16	06.05.16
11	16414	एनटीपीसी के इंजीनियरों के लिए ट्रैक एवं पुल अनुरक्षण पर व.पाठ्य.	27.06.16	01.07.16
12	16415	रेल व्हील इंटरेएक्शन एवं डीरेलमेंट (टी–2)	27.06.16	02.07.16
13	16418	मेकेनाइज्डे ट्रैक मेंटेनेंस, रिनिवल ग्राइंडिंग यूएसएफडी एवं ट्रैक मॉनिटरिग पर विशेष पाठ्यक्रम	16.05.16	27.05.16
14	16822	भंडार एवं भूमि प्रबंधन	04.04.16	08.04.16
15	16823	यूएसएफडी वेल्डिंग एवं ग्राइंडिंग	04.04.16	15.04.16
16	16824	ट्रैक मॉनिटरिग	04.04.16	08.04.16
17	16827	प्वाइंट क्रॉसिंग एवं कर्व	18.04.16	22.04.16
18	16828	मेकेनाइज्ड ट्रैक मेंटेनेंस एवं रिनिवल	18.04.16	29.04.16
19	16829	ठेका प्रबंधन	18.04.16	22.04.16
20	16834	रेल व्हील इंटरेएक्शन एवं डीरेलमेंट	09.05.16	20.05.16
21	16837	मेकेनाइज्ड ट्रैक मेंटेनेंस, रिनिवल	16.05.16	27.05.16
22	16838	पीएससी निर्माण	16.05.16	24.05.16
23	16839	कंक्रीट टेक्नॉलॉजी	23.05.16	27.05.16
24	16840	प्वाइंट क्रॉसिंग एवं कर्व	30.05.16	03.06.16
25	16841	यूएसएफडी वेल्डिंग एवं रेल ग्राइंडिंग	30.05.16	10.06.16
26	16845	रेल व्हील इंटरेएक्शन एवं डीरेलमेंट	13.06.16	24.06.16
27	16849	प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण(कार्य एवं पुल)	27.06.16	15.07.16

15. पाठक मंच की बैठक

दिनांक 18.03.2016 को संस्थान के ग्रंथालय के अध्ययन कक्ष में पाठक मंच के बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बैठक के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रा. रेलपथ, श्री सुरेन्द्र कुमार बंसल, वरिष्ठ प्राध्यापक प्राजेक्ट एवं श्री एन.आर काले, सहा.प्राध्यापक–कार्य साथ ही संस्थान के सभी पाठक वर्ग उपस्थित थे। कनिष्ठ अनुवादक राजू पाल ने हास्य व्यंग का वाचन किया एवं सहा ग्रंथपाल श्रीमती नेहा सप्तर्षि ने मराठी में एक कविता का वाचन किया एवं वप्रापो द्वारा पुस्तकों की खरीद के संबंध में सुझाव दिए गए।

पवित्र वह नहीं है जो अपने शरीर को धोकर बैठ जाते हैं। पवित्र वह है जिनके अन्त:करण में (ईश्वर) रहता है।

अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ –1 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान पुणे–। द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित